# स्टिंग ऑप्रेशन के फर्जीवाड़े को लेकर आम आदमी पार्टी ने जाँच की माँग की

आम आदमी पार्टी चुनाव आयोग से अनुरोध करती है कि वह जल्द से जल्द कल “मीडिया सरकार” नामक संस्था द्वारा जारी सीडी में लगाये गए आरोपों की जाँच करे. अगर चुनाव आयोग की जाँच में पार्टी का कोई भी उम्मीदवार दोषी पाया जाता है तो वह उम्मीदवार चुनावी दौड़ से हट जायेगा और आम आदमी पार्टी उससे अपना समर्थन वापिस ले लेगी !

कल मीडिया सरकार द्वारा  जारी सीडी के बारे में आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि हम 24 घंटे के भीतर जांच कर के अपना निर्णय सुनायेंगे, हमने यह समय दो तरह की जाँच के लिए माँगा था। एक तो हम इस सीडी में नामित सभी साथियों का पक्ष सुनना चाहते थे, दूसरा हम इस सीडी की विश्वसनीयता की जाँच करने के लिए पूरी असंपादित रिकॉर्डिंग देखना चाहते थे।

कल रात प्रेस कांफ्रेंस के तुरंत बाद श्री संजय सिंह ने मीडिया सरकार के मुख्य कार्यकारी श्री अनुरंजन झा को फ़ोन कर के पूरी रिकॉर्डिंग भेजने का आग्रह किया ! उन्होने फ़ोन पर हामी भरी और एक औपचारिक अनुरोध भेजने को कहा ! रात को ही पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री पंकज गुप्ता ने ईमेल के जरिये श्री झा से मूल असंपादित रिकॉर्डिंग पार्टी को आज सुबह 11 बजे तक उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया ! बाद में इस समय सीमा को बढ़ा कर आज दोपहर तीन बजे तक किया गया। हमने टीवी चैनलों से अनुरोध किया कि यदि उन्हें पूरे टेप उपलब्ध हैं तो वे पूरा सच जनता के सामने रखें। इस समय सीमा के समाप्त होने के बाद भी श्री झा ने न तो टेप पहुंचाए हैं और न ही हमारी ईमेल का जवाब दिया है ! टीवी चैनल पर उन्होंने कहा है कि वे पार्टी को यह टेप नहीं देंगे। हमारी जानकारी में यह टेप किसी चैनल के पास भी नहीं पहुंचे हैं।

‘मीडिया सरकार’ का इंकार करना इसका सबूत है कि वह बहुत कुछ छुपाना चाहते हैं। अगर वे यह स्टिंग देश हित में जारी कर रहे थे तो अब देश के सामने पूरी रिकॉर्डिंग रखने में आनाकानी क्यों ? अगर यह सीडी दिल्ली चुनाव से ठीक पहले दिखाने की जल्दी थी तो उसकी जाँच के लिए पूरी सामग्री उपलब्ध कराने में इतनी देरी क्यों ? अगर सीडी किसी संवैधानिक संस्था को सौंपने के बजे सार्वजानिक की गयी थी तो अब पूरी फुटेज को सार्वजनिक करने से परहेज क्यों ? इस सीडी प्रकरण का समय और इसे करने वालों का व्यवहार उनकी नियत पर सवालिया निशान खड़ा करता है। आम आदमी पार्टी शुरू से ही इस देश के  भ्रष्टाचारी राजनैतिक तंत्र के निशाने पर रही है। जबसे दिल्ली चुनाव नजदीक आयें हैं तबसे आम आदमी पार्टी की अभूतपूर्व लहर से दोनों बड़ी पार्टियों और तमाम किस्म के निहित स्वार्थों में बौखलाहट फ़ैल गयी है। यह स्टिंग ऑपरेशन इसी बौखलाहट से उपजी साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है।

पूरी रिकॉर्डिंग के बिना भी आम आदमी पार्टी की राजनैतिक सलाहकार समिति (PAC) ने कल उपलब्ध की गयी सीडी की ध्यान से जाँच की। हमारी समझ में इस सीडी में लगाये गए बड़े बड़े आरोप इसी

सीडी में दिए गए प्रमाण से मेल नहीं खाते हैं।

**पहली नज़र में ही इसमें कई खामियां दिखाई देती हैं;**

- 1) इस पूरी सीडी में यह स्पष्ट है कि रिपोर्टर उम्मीदवारों के पीछे पड़ा है और उनसे कुछ भी कहलवाने की कोशिश कर रहा है। उम्मीदवार अक्सर हाँ – हूँ करके पिंड छुड़ाने की कोशिश कर रहे हैं और उसी छोटे से हिस्से को काट कर बड़े बड़े आरोप मढ़े जा रहे हैं !
- 2) लगभग हर बातचीत को उसके महत्वपूर्ण सन्दर्भ से काट कर दिखाया गया है, ताकि बात का बतंगड़ बन सके। जब तक दिखाए गए हिस्सों के पहले और बाद के अंश न देखे जाएँ तब तक कोई आरोप सिद्ध नहीं होता।
- 3) एक से ज्यादा जगह बातचीत को बीच में काटा गया है, कुछ अंश छिपाए गए हैं।
- 4) एक जगह, ट्रांसक्रिप्ट में से एक महत्वपूर्ण वाक्य को गायब कर दिया गया है जो टेप पर साफ़ सुना जा सकता है।

इन सब कारणों से आम आदमी पार्टी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि केवल इस सीडी पर भरोसा कर के अपने किसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई फैसला लेना प्राकृतिक न्याय के बुनियादी सिद्धांत के खिलाफ होगा। यह सीडी देश में इमानदारी की राजनीती के खिलाफ एक प्रायोजित मुहीम का हिस्सा है। आने वाले दिनों में इसी मुहीम के तहत और भी बहुत कुछ हो सकता है। आम आदमी पार्टी जनता को ऐसी साजिशों से आगाह करती है।

चुनाव प्रचार के बीचों बीच इस तरह की सीडी को जारी करना देश के कानून, चुनावी आचार संहिता और पत्रकारिता की मर्यादा का उल्लंघन है। इसलिए आम आदमी पार्टी निम्नलिखित कदम उठाएगी ;

- 1) 'मीडिया सरकार' के विरुद्ध अपराधिक मानहानि (criminal defamation) का केस तुरंत दर्ज करवाया जायेगा।
- 2) पार्टी चुनाव आयोग से अपील करेगी कि वे चुनाव आचरण संहिता के हनन के इस मामले में दखल दे कर इस सीडी के प्रचार प्रसार को रुकवाएं और दोषियों पर सख्त कार्यवाही करें।
- 3) पार्टी न्यूज़ चैनलों द्वारा सीडी की विश्वसनीयता की जाँच किये बिना उसे अपने चैनल पर प्रसारित किये जाने के खिलाफ न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन और प्रेस काउंसल के पास अपील करेगी।

आम आदमी पार्टी इमानदारी की राजनीती करने उतरी है। इसलिए एक आम नागरिक को इस पार्टी से काफी आशाएं हैं और इसकी ईमानदारी के दावों की कड़ी परीक्षा होना स्वाभाविक है। हमने यह वादा किया है कि हमारे एक भी उम्मीदवार के खिलाफ भ्रष्टाचार, अपराधिक गतिविधियों या चरित्रहीनता का कोई भी सबूत मिलता है तो पार्टी उस उमीदवार को चुनावी दौड़ से वापस ले लेगी।

आम आदमी पार्टी इस अहम मामले में अन्य पार्टियों की तरह सिर्फ कानूनी दावपेच का सहारा ले कर बात ख़त्म नहीं करना चाहती। हम चाहते हैं कि इन आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जाँच हो ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

आज देश के आम नागरिक की आस्था चुनाव आयोग में है ! आम आदमी पार्टी चुनाव आयोग से अनुरोध करती है की वे इन सीडी में लगाये आरोपों की जल्द से जल्द (हो सके तो अगले 48 घंटे में) जाँच करवाएं और देश को बताएं कि क्या हमारे किसी भी उम्मीदवार ने देश के किसी कानून या मर्यादा का उल्लंघन किया है। अगर चुनाव आयोग हमारे किसी भी उम्मीदवार को इस सीडी में लगाये गए आरोपों का दोषी ठहराता है तो आम आदमी पार्टी का उमीदवार को चुनावी दौड़ से तत्काल हट जायेगा और आम आदमी पार्टी उससे अपना समर्थन वापस ले लेगी। इस अग्निपरीक्षा में सच की ही विजय होगी।

.